विषय–सूची

पृष्ठ संख्या

आत्म–विवेचन **i-iii**

प्रथम अध्याय : भूमिका **1–24**

1.1 भूमिका

1.2 भारतीय दर्शन में अहिंसा की अवधारणा

1.2.1 नास्तिक दर्शनों में अहिंसा की अवधारणा

1.2.2 आस्तिक दर्शनों में अहिंसा की अवधारणा

1.2.3 समकालीन भारतीय दर्शन में अहिंसा की अवधारणा

1.3 महात्मा बुद्ध के अनुसार अहिंसा की अवधारणा

1.4 जे॰ कृष्णमूर्ति के अनुसार अहिंसा की अवधारणा

द्वितीय अध्याय : महात्मा बुद्ध के अनुसार अहिंसा की अवधारणा का विवेचन **25–92**

2.1 भूमिका

2.2 महात्मा बुद्ध के अहिंसा सम्बन्धी विचार

2.2.1 प्राणी–हिंसा का निषेध

2.2.2 यज्ञ में हिंसा का विरोध

2.2.3 युद्ध संबंधी हिंसा पर विचार

2.2.4 अधर्माचरण एवं धर्माचरण

2.2.5 आत्महत्या संबंधी हिंसा का विचार

2.3 हिंसा की उत्पत्ति के कारण

2.4 हिंसा से मुक्ति का मार्ग

2.4.1 पंचशील के सिद्धान्त

2.4.1.1 जीव हिंसा से विरति (प्राणतिपात)

2.4.1.2 अदत्तादान विरमण

2.4.1.3 कामेसु मिथ्याचार विरमण

2.4.1.4 मृषादान विमरण

2.4.1.5 सुरामेरयमघ विरमण

2.5 शील का मार्ग

2.5.1 प्राणातिपात से विरति

2.5.2 अदत्तादान से विरति

2.5.3 काममिथ्याचार से विरति

2.5.4 मृषावाद से विरति

2.5.5 पैशुन्य से विरति

2.5.6 पारूष्य से विरति

2.5.7 सम्भिन्न प्रलाप से विरति

2.5.8 अभिध्या से विरति

2.5.9 व्यापाद से विरति

2.5.10 मिथ्यादृष्टि से विरति

2.6 मध्यमा प्रतिपदा

2.6.1 सम्यक् दृष्टि

2.6.2 सम्यक् संकल्प

2.6.3 सम्यक् वाक्

2.6.4 सम्यक् कर्मान्त

2.6.5 सम्यक् आजीविका

2.6.6 सम्यक् व्यायाम

2.6.7 सम्यक् स्मृति

2.6.8 सम्यक् समाधि

2.7 मैत्रीपूर्ण प्रेम

2.8 निष्कर्ष

तृतीय अध्याय : जे॰ कृष्णमूर्ति के अनुसार अहिंसा की अवधारणा का विवेचन 93–164

3.1 भूमिका

3.2 हिंसा का स्वरूप

3.3 हिंसा की उत्पत्ति के कारण

3.3.1 अहं या स्व

3.3.2 इच्छा

3.3.3 क्रोध

3.3.4 ऊब व अभिरूचि

3.3.5 ईर्ष्या

3.3.6 अकेलापन

3.3.7 अनुशासन

3.3.8 भय

3.3.9 विश्वास

3.3.10 अन्तर्विरोध

3.3.11 जे॰ कृष्णमूर्ति की ईश्वरविषयक धारणा

3.3.12 जे॰ कृष्णमूर्ति की धर्मविषयक धारणा

3.4 हिंसा से मुक्ति का मार्ग

3.4.1 जे॰ कृष्णमूर्ति के अनुसार अवलोकन का मार्ग

3.4.2 अवलोकन की आवश्यक शर्तें

3.5 स्वपरिवर्तन : सम्यक् क्रान्ति का आधार

3.6 निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय : तुलनात्मक अध्ययन **165–180**

4.1 महात्मा बुद्ध तथा जे॰ कृष्णमूर्ति की अहिंसा के संदर्भ में समानताएं

4.2 महात्मा बुद्ध तथा जे॰ कृष्णमूर्ति की अहिंसा के संदर्भ में असमानताएं

4.3 निष्कर्ष

पंचम अध्याय : प्रसांगिकता एवं निष्कर्ष **181–202**

5.1 प्रसांगिकता

5.2 निष्कर्ष

सन्दर्भ–ग्रन्थ–सूची **203–210**

- भारतीय दर्शन के मूल ग्रन्थ
- भारतीय दर्शन के सहायक ग्रन्थ
- महात्मा बुद्ध से सम्बन्धित मूल ग्रन्थ
- महात्मा बुद्ध से सम्बन्धित सहायक ग्रन्थ
- जे॰ कृष्णमूर्ति से सम्बन्धित मूल ग्रन्थ
- जे॰ कृष्णमूर्ति से सम्बन्धित सहायक ग्रन्थ